व्याकरण वृक्ष –2

उत्तर पुस्तिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

1 भाषा
[Language]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) सुनना ''बोलना'' पढ़ना ''लिखना''

(ii) 1. भाषा के दो रूपों के नाम– मौखिक और लिखित।

2. मौखिक

ख. विद्यार्थी स्वयं करें।

ग.

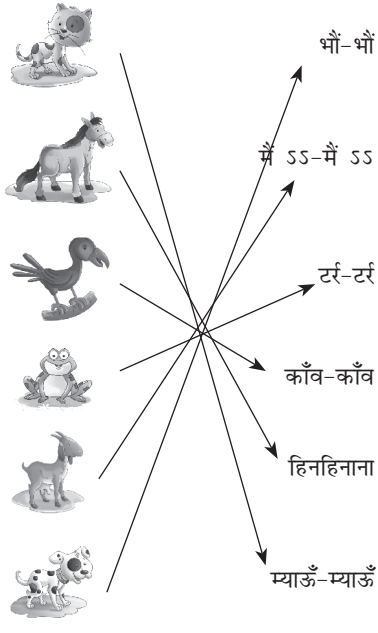

2 वर्ण और वर्णमाला
[Letter and Alphabet]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) 1. ध्वनियाँ, 2. दो, 3. पाँच, 4. दो

(ii) 1. ध्वनियों के लिखित रूप को वर्ण या अक्षर कहते हैं।

2. वर्णों के व्यवस्थित क्रम को वर्णमाला कहते हैं।

3. वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर और व्यंजन।

ख. 1. ✗ 2. ✓

3. ✓ 4. ✓

संयुक्त व्यंजन–

ग.

घ.

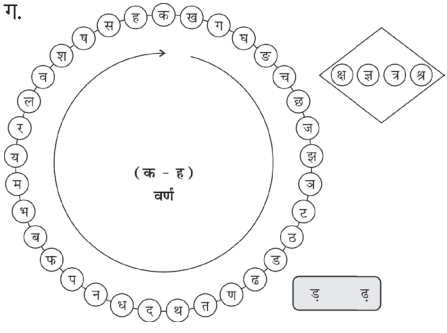

क्ष त्र ज्ञ श्र

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ

ओ औ

ङ. 2. आम – आ + म् + अ

3. नहर – न् + अ + ह् + अ + र् + अ

4. बहन – ब् + अ + ह् + अ + न् + अ्

5. मटका – म् + अ + ट् + अ + क् + आ

3 मात्रएँ, शब्द तथा वाक्य
[Symbols of Vowels, Words and Sentence]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) 1. द. 3 2. अ. 3

(ii) 1. शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं। जैसे– राम घर जाता है।

2. वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं। जैसे– क + म + ल = कमल।

ख. कील भाला केला

थाली माला नदी

ग. टोपीहिरन अंगूर गमला

घ. 1. बंदर केला खा रहा है।

2. मोर नाच रहा है।

3. चिड़िया डाल पर बैठी है।

4. पतंग उड़ रही है।

5. मछली तैरती है।

4 संज्ञा
[Noun]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) **व्यक्तियों के नाम वस्तुओं के नाम भावों के नाम**

शीला थैला

सुंदरता

रमेश कलम

बचपन

मनीष पुस्तक

मिठास

(ii) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे– राम, दिल्ली, पुस्तक

2. नहीं; हम भावों को छू नहीं सकते, सिर्फ़ महसूस कर सकते हैं।

ख.

वस्तु	**स्थान**	**प्राणी**
खिलौना	दिल्ली	कुत्ता
बस्ता	आगरा	चिड़िया
फ़ोन	मुम्बई	हाथी
सेब	पटना	बिल्ली

ग. 1. फ्रॉक, 2. कमल, 3. पुस्तक, 4. पार्क

घ.

अध्यापिका	चॉक
बच्चे	डस्टर
पुस्तक	श्यामपट्ट
डेस्क	खिड़की
ग्लोब	महात्मा गांधी
रैक	आसमान

5 लिंग
[Gender]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i)

नानी	चुहिया
लेखिका	बंदर
रानी	कुतिया
शेरनी	मोर

(ii) 1. जिन शब्दों से स्त्री या पुरुष होने का बोध हो, उन्हें लिंग कहते हैं।

2. लिंग दो प्रकार के होते हैं– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

ख. 1. नानी जी सैर पर जा रही हैं।

2. चुहिया बैठी है।

3. बंदर केला खा रहा है।

4. पिता जी बाज़ार गए हैं।

5. लड़की पढ़ रही है।

ग.

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बैल	गाय
शेर	शेरनी
लेखक	लेखिका
घोड़ा	घोड़ी
चूहा	चुहिया
मोर	मोरनी

6 वचन
[Number]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) 1. किताबें 2. पतंगें 3. गायें 4. पुस्तकें

(ii) 1. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध

होता है, उसे वचन कहते हैं।

2. वचन के दो भेद होते हैं–
   1. एकवचन 2. बहुवचन।

ख. 1. लड़के, 2. पंखा,
3. कपड़ा 4. चिड़ियाँ

ग. 1. मैं रसगुल्ले खाऊँगा।
2. नदी बह रही है।
3. घोड़े दौड़ रहे हैं।
4. बच्चे पढ़ रहे हैं।

घ.

पेंसिलें	पंखे
तितलियाँ	केले
पुस्तकें	बच्चे
मछलियाँ	चूहे

7 सर्वनाम
[Pronoun]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) 1. मैं, 2. आप, 3. अपना,
4. सो, 5. वह

(ii) 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
2. मैं, तुम, वह, हम, मेरा।

ख. 1. वह, 2. उसकी, 3. तुम, अपना,
4. आप, 5. तुम

ग. **बहुवचन** 1. वे, 2. हम, 3. ये, 4. हमारा

घ. 1. उसकी, उसे, 2. वह, 3. उसे

8 विशेषण
[Adjective]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) 1. लंबा, 2. सुंदर,
3. ताज़ा, 4. दानी

(ii) 1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाएँ, वे विशेषण कहलाते हैं।
2. अच्छा, बुरा, हरा, काला, छोटा।

ख. 1. मीठा, 2. काला, 3. सुंदर, 4. नीली

ग. विद्यार्थी स्वयं करें।

घ. सुंदर ✓ सुगंधित ✓ हरा ✓ ऊँचा ✓
खट्टा ✓ मीठा ✓

9 क्रिया
[Verb]

(अभ्यास-उत्तर)

क. (i) 1. उठता, 2. स्नान, 3. पहनता, 4. पीता, 5. जाता, 6. पढ़ता 7. लिखता, 8. खेलता, 9. आता

(ii) 1. जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का बोध हो, उन्हें क्रिया कहते हैं।

2. खेलते हैं। / दौड़ते हैं। / पढ़ाते हैं।

ख.

खेलना	दौड़ना	उड़ना
खाना	भागना	हँसना

10 गिनती
[Counting]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓

ख.

ग्यारह	5
पाँच	19
सत्रह	11
उन्नीस	17

ग. 1. सात, 2. 4, 3. बारह, 4. 9

घ. (शब्द) **बारह** (अंक) **5**
(अंक) **1** (शब्द) **अठारह**
(शब्द) **आठ**

11 दिन, सप्ताह, माह, वर्ष
[Days, Week, Months, Year]

(अभ्यास-उत्तर)

क. 1. सात, 2. तीस, 3. 365, 4. गरमी

ख. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

ग.

जनवरी	फरवरी	मार्च
अप्रैल	मई	जून
जुलाई	अगस्त	सितंबर
अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर

घ. 1. मई-जून 2. रविवार 3. फरवरी 4. दिसंबर

12 कहानी-लेखन
[Story Writing]

(अभ्यास-उत्तर)

मित्रता

एक दिन **नदी** के **पानी** में एक **चींटी पत्ते** पर बैठी बहती चली जा रही थी। वह डूबने ही वाली थी कि तभी एक **कबूतर** उधर से उड़ता हुआ निकला। **चींटी** को डूबते हुए देखकर **कबूतर** को उस पर दया आ गई। उसने **पत्ते** समेत **चींटी** को **पानी** से बाहर निकाल दिया। इस प्रकार, जिस **पेड़** पर **कबूतर** रहता था, **चींटी** भी उसी **पेड़** के नीचे रहने लगी। दोनों में खूब मित्रता हो गई। कुछ दिनों बाद, एक **शिकारी** उधर से निकला। उसने **पेड़** की डाल पर बेखबर बैठे **कबूतर** को देखकर उस पर **तीर** चलाना चाहा। अपने मित्र को संकट में देखकर उसे बचाने का उपाय सोचते हुए **चींटी शिकारी** के पैरों तक गई और दाएँ पैर में ज़ोर-से काट लिया, जिससे **शिकारी** का निशाना चूक गया और **कबूतर** बच गया।

अभ्यास-उत्तर

एक बार एक **शेर** अपनी **गुफा** में सो रहा था। तभी एक **चूहा** आकर शेर के ऊपर कूदने लगा, जिससे शेर की **नींद** टूट गई। शेर ने गुस्से से चूहे को **पंजों** में जकड़ लिया। चूहा बहुत **डर** गया। उसने डरते हुए कहा– "शेर राजा! मुझे **माफ़** कर दीजिए। आज मुझे जाने दीजिए। एक दिन मैं आपके **उपकार** का बदला ज़रूर चुकाऊँगा।"

कुछ समय बाद, एक दिन वही शेर एक शिकारी के **जाल** में फँस गया। वह ज़ोर-ज़ोर से **दहाड़ने** लगा। शेर की आवाज़ सुनकर चूहा वहाँ आया। उसने अपने नुकीले **दाँतों** से शेर का जाल **काट** दिया। **शेर** ने चूहे को **धन्यवाद** दिया। उस दिन से शेर समझ गया कि कभी **छोटे-बड़े** का भेद-भाव नहीं करना चाहिए। हमेशा सबकी **मदद** करनी चाहिए।

शिक्षा– हमें किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए तथा किए गए उपकार का फल अवश्य मिलता है।

13 चित्र-वर्णन
[Picture Description]

(अभ्यास-उत्तर)

1. यह चित्र एक चिड़ियाघर का है। यहाँ बहुत से जानवर हैं।
2. बच्चे अपने माता-पिता के साथ चि. ड़ियाघर देखने आए हैं।
3. एक शेर पिंजरे में बंद है। एक हाथी और दो जिराफ़ खड़े हैं।
4. दो बच्चे मगरमच्छ को देख रहे हैं। पिता बच्चे को शेर दिखा रहे हैं।
5. एक बच्चा अपनी माता जी के साथ है और वह दरियाई घोड़ों को देख रहा है।